

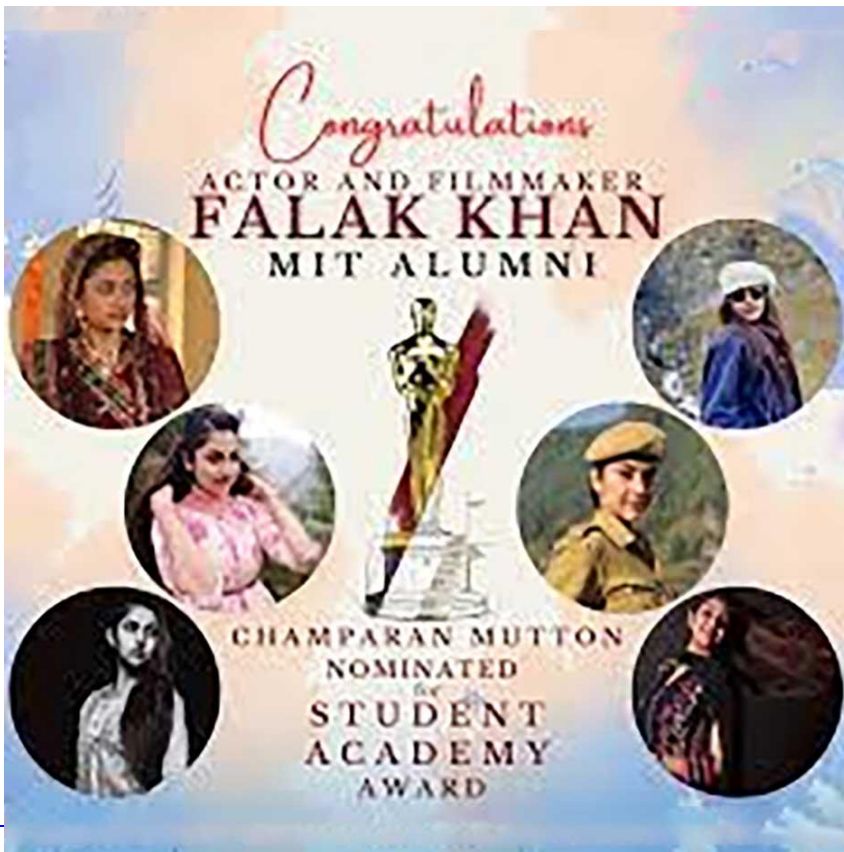
बिहार की बेटी फलक की फ़िल्म 'चंपारण मटन' ऑस्कर की दौड़ में शामिल

चर्चा में क्यों?

27 जुलाई, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार बिहार के मुजफ्फरपुर ज़िले की बेटी फलक अभिनीत की फ़िल्म 'चंपारण मटन' ऑस्कर की दौड़ में शामिल हो गई।

प्रमुख बिंदु

- फलक अभिनीत की फ़िल्म 'चंपारण मटन'ने अमेरिका, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की फ़िल्मों के साथ अकेले स्टूडेंट अकादमी अवॉर्ड के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है।
- ऑस्कर के स्टूडेंट एकेडमी अवॉर्ड 2023 के सेमीफाइनल राउंड में फ़िल्म का चयन हुआ है। इस अवॉर्ड के लिये दुनियाभर के फ़िल्म प्रशिक्षण संस्थानों का चयन किया गया था। 1700 से अधिक फ़िल्मों को चुना गया था।
- 'चंपारण मटन' फ़िल्म का निर्देशन फ़िल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे के रंजन कुमार की ओर से किया गया है। फ़िल्म मात्र आधे घंटे की है।
- ज्ञातव्य है कि स्टूडेंट अकादमी अवॉर्ड प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालय में फ़िल्म बनाना, पढ़ रहे छात्र और छात्राओं को दिया जाता है, यह ऑस्कर की ही शाखा होती है। 1972 से यह अवॉर्ड अच्छी फ़िल्मों को दिया जा रहा है। स्टूडेंट एकेडमी अवॉर्ड चार कैटेगरी में दिया जाता है।
- 'चंपारण मटन' नैरेटिव समेत तीन अन्य श्रेणियों में शामिल है। यह एकमात्र भारतीय फ़िल्म है, जो इस अवॉर्ड में शामिल हुई है। वदिति है कि यहाँ अवॉर्ड पाने वाली फ़िल्में ऑस्कर अवॉर्ड से नवाज़ी जा चुकी हैं।
- यहाँ सेमीफाइनल में इसका 16 फ़िल्मों से मुकाबला होने वाला है। इसी श्रेणी में अर्जेंटीना, बेलज़ियम, जर्मनी जैसे देश की फ़िल्में भी शामिल हैं।
- अभिनीत्री फलक बताती है कि आधे घंटे की यह फ़िल्म लोगों को अपने रश्ते में ईमानदारी और किसी भी हाल में हार नहीं मानने के लिये प्रेरित करती है। इस फ़िल्म की कहानी लॉकडाउन के बाद नौकरी छूट जाने वाले शख्स पर आधारित है।
- इसकी संवेदनशीलता लोगों के दिल को छू लेती है। यही कारण है कि फ़िल्म को स्टूडेंट अकादमी अवॉर्ड के लिये ऑस्कर में चुना गया है।
- गौरतलब है कि भारतीय सनिमा से लेकर हर सनिमा के लिये ऑस्कर अवॉर्ड खास होता है। सनिमा के जगत में इसे सबसे बड़ा अवॉर्ड माना जाता है। इसमें विजिता को कोई अतिरिक्त धनराशि नहीं दी जाती है।
- इस अवॉर्ड के मलि जाने के बाद किसी भी कलाकार को पूरी दुनिया में पहचान मलि जाती है। एक अभिनीता के पूरे करियर को इससे काफी फायदा पहुँचता है। अभिनीता की मार्केट वैल्यू में भी इससे काफी बढ़ोतरी हो जाती है।
- एकेडमी अवॉर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार एक ऑस्कर स्टैच्यू को बनाने में करीब 1000 डॉलर तक का खर्च होता है।
- वही साल 1950 तक ऑस्कर अवॉर्ड का मालकिना हक कलाकार के पास था, लेकिन अब इसमें परिवर्तन आया है। एकेडमी के नियमों के अनुसार कलाकार अब अवॉर्ड की कीमत रुपयों में नहीं लगा सकते हैं।
- अगर कोई अपने अवॉर्ड को बेचना चाहता है तो उसे एक डॉलर में अवॉर्ड ऑस्कर को वापस करना होगा। इस तरह इस अवॉर्ड की कीमत रुपयों में नहीं लगाई जा सकती है। यह अवॉर्ड पूरे देश के साथ वदिश में भी पहचान दलिता है।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bihar-s-girl-falak-s-film-champaran-mutton-included-in-oscar-race>

